

लोहकाय

लोहकाय ने कई अन्य लोगों को हार न मानने के लिए प्रेरित किया। लोहकाय सेंट मार्टेन में एक बागान से भाग गई। इसके लिए उसने जो कीमत अदा की, वह बहुत अधिक थी - उसके स्तन काट दिए गए थे। लोहकाय फिर से भाग गई और पहाड़ियों में अपने दम पर जीवित रहने में सफल रही।

उनकी दृढ़ता सेंट मार्टेन, सेंट यूस्टैटियस और सबा के द्वीपों पर कई पीढ़ियों के लिए एक उदाहरण थी। 1848 में डायमंड बागान के सभी गुलाम लोग सेंट मार्टेन के फ्रांसीसी हिस्से में भाग गए, जहाँ उस साल की शुरुआत में दासता को समाप्त कर दिया गया था। उसके बाद, डच बागान मालिकों के पास शेष निवासियों को स्वतंत्र घोषित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। यह 1860 और 1863 के कानूनों से काफी पहले था, जिसने डच कॉलोनीयों में दासता को समाप्त कर दिया था। अधिकांश क्षेत्रों में, वर्षों के जबरन श्रम के बाद उन्मूलन किया गया था। यह स्वतंत्रता की अवधारणा के बारे में प्रश्न उठाता है: क्या स्वतंत्रता एक कानून या कागज के टुकड़े द्वारा स्थापित होती है? या किसी की परिस्थितियों के बावजूद स्वतंत्रता का प्रयोग किया जाता है?

माशेटे, 1845 के बाद

शिलालेख के साथ प्लेट शेर्ड: " *नीयो मिल में अधिक गन्ना लाओ*", स्टेटिया पर पाया गया, c. 1750-1800।

18वीं और 19वीं शताब्दी में मुक्ति के प्रतीक के रूप में सिंट यूस्टैटियस में मौखिक परंपरा के अनुसार मोतियों को समुद्र में फेंक दिया गया था।

फिलिप्सबर्ग (सिंट मार्टेन) का समुद्र के सामने का दृश्य, यह दर्शाता है कि अन्य द्वीप कितने निकट थे जो पहले से ही गुलामी से मुक्त थे
सैमुअल फ़हलबर्ग, 1822।

डच एंटिल्स में दासता के उन्मूलन के लिए अधिनियम, 1863 में अधिनियमित किया गया।

1860 में डच ईस्ट इंडीज में दासता के उन्मूलन के लिए अधिनियम पर अमल किया गया।